assist in the finalisation of the causal labour list.

(b) Listed workers were employed occasionally to meet overflow requirements.

(c) Yes, in February, 1966.

(d) New workers were employed only when photo pass workers were not available at the Call Stand or at the place recognised by the Board for detailraent. New workers were not employed ignoring the direction contained in the award.

(e) Yes throuah the recognised Trade Unions as per the Boards decision in 1963.

(f) The names of the Unions with their affiliation **are** :—

(i) Cochin Thuramugha Thozhi-lali Union (All-India Port & Dock Workers Federation H.M.S.).

(ii) Cochin Port Thozhilali Union (I.N.T.U.C).

(g) Yes.

*219 *[Transferred to the llth March.* 1969.]

चारे की कमी

*220. **श्री पीताम्बर दास :**
श्री सुन्दर सिंह भंडारी :
श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
डा० भाई महावीर :
श्री प्रेम मनोहर :
श्री रतनलाल जैन :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के किन-किन राज्यों में पशुओं के लिये चारे की कमी है; और

(ख) सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में क्या कदम उठाये गये हैं?

RCTTY OI FODDER

*220 SHRI PITAMBER DAS : SHRI SUNDAR SINGH BHANDARI : SHRI J. P. YADAV : DR. BHAI MAHAVIR : SHRI PREM MANOHAR : SHRI RATTAN LAL JAIN :

Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the names of the States where there is a scarcity of fodder for animals; and

(b) the steps taken by Govenment ir this regard?]

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सहकारिता मन्त्रालय में राज्य मन्त्री श्री अण्णासाहब शिन्दे) : (क) और (ख) जानकारी एकत्रित की जा रही है और यथा-शीघ्र सभापटल पर रख दी जाएगी।

f[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRI CULTURE. COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHEB SHINDE): (a) and (b) The information is being collected and will be laid on the Table of the Sabha as early as possible.]

किसानों के कब्जे में कृषि की भूमि

*221. **श्री ना० कृ० शेजवलकर :**
श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
श्री सुन्दर सिंह भंडारी :
श्री पीताम्बर दास :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश की कृषि योग्य भूमि का लगभग 60 प्रतिशत भाग 10 प्रतिशत बड़े किसानों के कब्जे में है और राष्ट्रीय आय का लगभग एक चौथाई भाग उनके पास चला जाता है;

(ख) क्या यह भी सच है कि सिंचाई सम्बन्धी सुविधाओं, कृषि ऋण, उर्वरकों, बीजों, कृषि उपकरणों की अधिकांश सुविधाओं का लाभ भी वे ही प्राप्त कर लेते हैं; और

†[ ] English translation.